

ster of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether the proposal of the State Government for a Public Call Office at Tiltswar and Dhalapur has been considered;

(b) whether it is likely to be opened at these two places and line extended from Purunakatak to Dhalapur; and

(c) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATION (SHRI SHER SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. The proposal for opening public call offices at these two places are unremunerative and the loss cannot be condoned as per existing policy of the Department. Public Call Offices at these places can, however, be opened on rent & guarantee basis, if some party is willing to indemnify the department against the loss.

(c) Question does not arise.

— — — — —

12. 16 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported Unearthing of foreign Exchange Racket at Bombay

SHRI HEM BARUA (Mangaldai) : This call attention is addressed to the Prime Minister. She is neither replying nor is she present. I think Mr. Mirdha is replying; Mr. Mirdha is not the Prime Minister.

MR. SPEAKER : It is enough if somebody on behalf of the Government replies.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (बलरामपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोकमहत्व के निम्नलिखित विषय की ओर प्रधान मंत्री का ध्यान जो कि इस समय सदन में नहीं है। दिलाना चाहता हूँ और उनसे प्रार्थना करता हूँ कि वे इस बारे में एक वक्तव्य दें।

“बम्बई में 54 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा के अवैध धन से सम्बन्धित सङ्ग्रह, जिसमें एयर इंडिया के कुछ कर्मचारियों का हाथ भी बताया जाता है, पता लगाये जाने के समाचार।”

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAM NIWAS MIRDHA) : On the basis of information regarding alleged unauthorised transactions in foreign exchange, searches were conducted on 18-11-1970 by the Bombay Zonal Office of the Directorate of Enforcement at certain premises in Bombay and on the same day the personal effects of one cliff D' Souza, suspected to be involved in these transactions were searched at Delhi. As a result of the searches, several documents were recovered and foreign currency, namely, U.S. Dollars 7615 and £ 65, was also seized. The documents revealed that some persons had been carrying on unauthorised transaction in foreign exchange on a fairly big scale, by remitting foreign exchange out side India. On a preliminary Scrutiny of the documents it appears that during the period from 1st January 1969 to November 1970 the unauthorised transactions were of the order of £ 2,98,000. Further investigation in the matter is continuing.

Two arrests have been made in this connection so far. Shri Francis Bello was arrested on 19-11-1970 and was released on bail of Rs. 50,000 by the Enforcement Authorities. Shri Cliff D' Souza was arrested on 24.11.1970 and has been released on a bail of Rs. 1/- lakh on the orders of Chief Presidency Magistrate, Bombay.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मेरी यह ध्यानाकर्षण सूचना अखबारों में छपी हुई खबरों के आधार पर थी। हम आशा करते थे कि मंत्री महोदय, जितना अखबारों में छप चुका है उससे अधिक जानकारी सदन को देंगे, हमें विश्वास में लेंगे कि विदेशी मुद्रा का जो गोलमाल देश में चल रहा है उसको पकड़ में लाने के लिए, अपराधियों को कठघरे में खड़ा करने के लिए इनका एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट और सरकार क्या

कर रही है ? लेकिन मन्त्री महोदय का वक्तव्य सुनकर और पढ़कर मुझे आश्चर्य हुआ । एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट के अधिकारियों ने जो खबर प्रेस में दी यह भी कहा गया था :

"in which some staff Members of the Air India are stated to be involved"

आप देखेंगे कि ध्यानाकर्षण सूचना में भी यह कहा गया है कि इसमें एयर इंडिया के कुछ कर्मचारियों का हाथ भी बताया जाता है । लेकिन मन्त्री महोदय ने जो वक्तव्य तैयार किया है उसमें से एयर इंडिया के सम्बन्ध की लाइन काट दी गई है । जो कटी हुई लाइन है उसको मैं पढ़ना चाहता हूं ।

"The documents also contained information suggesting involvement of certain Members of the Air India crew"

जो पहले वक्तव्य तैयार किया गया था उसमें एयर इंडिया का हवाला था लेकिन बाद में उसको काट दिया गया । मैं जानना चाहता हूं कि एयर इंडिया के कुछ लोगों का इसमें हाथ है या नहीं है और अगर है तो वह कौन लोग हैं और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की जा रही है ? यह पहला ही अवसर नहीं है जब विदेशी मुद्रा के गोलमाल में एयर इंडिया के कुछ कर्मचारियों का सम्बन्धित होना बताया गया है....

श्री मधु लिमये (मुं गेर) : बहुत दफे उठा है । तीसरी लोकसभा में भी उठा था ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जो इनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट के अधिकारियों ने खबर दी है उसमें यह भी कहा है कि यह विदेशी मुद्रा लंदन के किसी बैंक में पिछले दो साल से जमा की जाती रही है । मन्त्री महोदय ने अपने वक्तव्य में इसका हवाला भी नहीं दिया है । क्या अफसरों का वक्तव्य गलत है ? लंदन का कौन सा बैंक है जिसमें यह विदेशी मुद्रा जमा की गई है ? क्या सरकार ने पता लगाने का प्रयत्न किया कि यह मुद्रा कब से जमा की जा

रही है ? और असली बात यह है कि उन विदेशी मुद्रा के गोलमाल के पीछे किन लोगों का हाथ है ? कोई कार का एजेंट या एयर इंडिया का कोई कर्मचारी इतने बड़े गोलमाल के लिए उत्तरदायी नहीं हो सकता । इसमें जरूर कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों का हाथ होगा । वह प्रभावशाली व्यक्ति कौन हैं, उनका उद्घाटन करने के लिए और उनकी कलाई खोलने के लिए सरकार क्या कर रही है यह बतलाया जाय ?

अध्यक्ष महोदय, इसी मामले में एक सवाल और पूछना चाहूंगा । कल उस प्रश्न की चर्चा हुई थी । क्या इनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने इस आरोप की जांच की है कि महाराष्ट्र सरकार के एक उपमन्त्री मिस्टर हिरे जब लंदन गये तो उन्होंने वहां एक विदेशी बैंक में एक ऐसा ड्राफ्ट पेश किया जिसे बैंक ने लेने से इंकार कर दिया । ड्राफ्ट के बारे में बैंक ने कहा कि यह ड्राफ्ट जाली है । श्री हिरे ने अपने वक्तव्य में जो कि प्रेस में दिया है कहा है कि वह ड्राफ्ट उन्हें श्री चम्पक लाल शाह नामक बम्बई के एक व्यक्ति से मिला सामान खरीदने के लिए । मगर यह श्री चम्पक लाल शाह कौन हैं, उन के पास यह ड्राफ्ट कैसे आया ?....(व्यवधान)

मन्त्री महोदय ने सामान खरीदा नहीं है यह प्रश्न अलग है लेकिन विदेशी मुद्रा के गोलमाल के सम्बन्ध में पता लगाने के बारे में जो जांच की गई तो क्या उस में चम्पक लाल शाह के यहां भी तलाशी ली गई और यदि हां, क्या कोई दस्तावेज निकले ? क्या परिणाम सरकार ने निकाला ?

अन्त में मैं एक बड़ा प्रश्न और पूछना चाहता हूं । इस छोटे से कांड से यह स्पष्ट है कि अरबों रुपयों का गोलमाल विदेशी मुद्रा का देश में चल रहा है । उसकी बड़े व्यापक पैमाने पर खोज लगाने के लिए और सम्बन्धित व्यक्तियों को सजा दिलाने के लिए क्या मन्त्रा-

[श्री अटल बिहारी वाजपेयी]

लय कोई अभियान आरम्भ कर रहा है ? इनफोसमैट डाइरेक्टोरेट वित्त मन्त्री के नियन्त्रण में से निकाल कर प्रधान मन्त्री के नियन्त्रण में दे दिया गया है। यह केवल व्यक्तियों का परिवर्तन है या कुछ कार्यवाही में भी परिवर्तन होगा ? क्या मन्त्री महोदय इस सम्बन्ध में सदन को कुछ बतला सकते हैं ?

श्री राम निवास मिर्धा : अध्यक्ष महोदय, यह सही है कि माननीय सदस्यों ने जब ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया वह एक अखबार की खबर पर आधारित था और उस में जो उल्लेख दिये थे उसी के सम्बन्ध में मैंने यह वक्तव्य दिया है।

जहाँ तक एयर इंडिया के अधिकारियों या कर्मचारियों के इससे सम्बन्धित होने का प्रश्न है अभी तक जो जानकारी मिली है कुछ व्यक्तियों के नाम जो दस्तावेज पाये गये हैं उन में आते हैं और उस के बारे में जांच चल रही है.....(व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : आपने काटा क्यों ?

श्री राम निवास मिर्धा : काटने का कोई प्रश्न नहीं था। असल में मैं अपने वक्तव्य में निश्चित सूचना देने की स्थिति में नहीं था इसलिए नाम या अन्य उल्लेख उस में लिखना उचित नहीं समझा लेकिन यह निश्चित है और मैं स्वीकार करता हूँ कि यह सूचना सदन से रोकने की कोई मंशा नहीं है कि एयर इंडिया के कर्मचारियों के नाम वहाँ जो दस्तावेज मिले हैं उनमें उनका उल्लेख आया है, किसी के इन्डियन नैक्लिस निकले हैं लेकिन उन सब दस्तावेजों की जांच चल रही है और उसके बारे में जो निश्चित जानकारी सुनभ होगी वह यथा समय हम सदन के समक्ष रखेंगे और माननीय सदस्यों को अवश्य देंगे।

एक बहुत बड़े व्यापक पैमाने पर विदेशी

मुद्रा के सम्बन्ध में जो उल्लेख किया गया था उस के बारे में समय समय पर सदन में चर्चा होती रही है। अमुक जो केस थे उन के बारे में भी सदन में चर्चा हुई है व पूरा जानकारी माननीय सदस्यों को समय समय पर दी गई है और सरकार इस सम्बन्ध में क्या कदम उठा रही है उस के बारे में भी उल्लेख किया गया है। जो इस सम्बन्ध में कानूनी व्यवस्था है उसमें भी रद्दोबदल किया गया है और अभी एक विस्तृत कानून की रूपरेखा तैयार की जा रही है जिसके आधार पर और कड़ी कार्यवाही की जा सकेगी। सख्त तरह का प्रावधान कानून में होगा।

जहाँ तक प्रशासनिक जो कारण हैं उनको रोकने के लिए जो प्रशासनिक तंत्र है उसको भी मजबूत किया जा रहा है। इस तरह से जो भी जांच आवश्यक है वह की जाती है और जानकारी ली जाती है। इसमें सरकार की तरफ से किसी बात में किसी व्यक्ति को छिपाने की या किसी बात में परदा डालने का प्रश्न ही नहीं उठता।

जहाँ तक उपमन्त्री श्री हिरे का प्रश्न है वह एक विशेष प्रश्न है और इस से सम्बन्धित नहीं है। लेकिन अगर माननीय सदस्य उस के बारे में विशेष रूप से जानना चाहेंगे तो अवश्य उस बारे में जानकारी दे दी जायगी।

अभी इस सम्बन्ध में मेरे पास कोई जानकारी नहीं है कि उस बारे में क्या कार्यवाही की जा रही है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया। मैंने पूछा था कि यह लंदन का कौन सा बैंक है जिसमें यह जमा किया गया है ? पिछले दो साल से यह मुद्रा जमा है। उसके बारे में सरकार ने पता लगाने का प्रयत्न क्यों नहीं किया ?

श्री राम निवास मिर्धा : 18 नवम्बर को यह तलाशी ली गई और दस्तावेज पाये गये।

उसमें दो साल से जांच चल रही है। इस बैंक में कितना पैसा है उसके बारे में जब तक पूरे तथ्यों की जानकारी हमें न मिल जाय तब तक मैं सदन में कुछ कहना उचित नहीं समझता केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि उन सारी बातों की जांच हो रही है, जांच समाप्त होने के बाद जब निश्चित तथ्य सामने आयेंगे तो वह सदन के समक्ष रख दिये जायेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठाना चाहता लेकिन मंत्री महोदय इस तरह से टाल-मटोल जवाब न दें। समाचार पत्रों में इससे अधिक खबर दी है और वह आप के अधिकारियों ने दी है। आप सदन को अंधेरे में रखना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, सुनिये, यह पी टी आई का समाचार है।

“According to Mr. S. C. Salvekar and Mr. K P Desai of the Directorate who investigated the case, the amount had been deposited in the London Bank over a period of two years since January last year”

मंत्री महोदय ने बैंक का नाम बताने को तैयार हैं, न यह बताने को तैयार हैं कि इन पिट्टले दो साल से जो यह जमा किया जाता रहा तो यह कहाँ किया जाता रहा और सरकार को अभी तक इसका पता कैसे नहीं लगा ?

श्री राम निवास मिर्षा : कोई भी जानकारी जो सरकार को प्राप्त हो और जो हमारे अधिकारियों की तरफ से आई हो उसे इस सदन और उसके माननीय सदस्यों से छिपाने की हमारी कोई मंशा नहीं है। जहाँ तक बैंक का सवाल है, दो साल का सवाल है मैंने जैसे निवेदन किया कई दस्तावेजों में उसका उल्लेख है और कई दस्तावेज इस प्रकार के हैं जिनके बारे में जानकारी की जा रही है लेकिन जब तक निश्चित तथ्य व जानकारी सरकार को न मिल जाय तब तक लाचार है, लेकिन निश्चित तथ्य सामने आने पर वह सदन के समक्ष रख दिये जायेंगे।

SHRI D. N. PATODIA (Jalore) : This particular incident cannot be treated in isolation. It is part of the international gang which is involved in smuggling in a big way of both foreign currency and foreign goods. The arrest of one person here or detection of a group there only reflects less than 1 per cent of the total volume of smuggling in this country. Who does not know the flourishing manner in which the trade of smuggling is going on in the known and famous localities of Bombay and Madras ? The other day one of the Ministers, Mr. P. C. Sethi, had first hand experience when he strolled in the Flora Fountain area of Bombay and saw with his own eyes smuggled goods being sold in any quantity on both sides of the road. This is the pattern going on.

In this particular case, according to newspaper reports, there are not less than three officials of Air India involved. The minister has been silent with regard to the number of persons involved and their names. May I request him that he comes out with the names who according to him, are involved ?

Coming to the basic cause of smuggling is it not a fact that smuggling arises as a result of the wide discrepancy in the real intrinsic value of the rupee and the artificial value, which in turn is the result of the inflationary policies adopted by Government ? Unless and until Government do something by which inflation is checked, merely punishing the people will never be able to solve the problem.

My questions are : May I know whether in the opinion of the Government, in this particular incident, any international gang is involved and any foreigners have been located within this gang ? May I know whether apart from this particular transaction involving nearly £ 300,000, any other transaction linking with this incident has also been unearthed ? May I know whether in the opinion of the Government, in spite of the measures adopted by Government, smuggling operations have increased over the last two years instead of decreasing and if so, what positive steps are being taken by Government including disinflationary measures by which smuggling may be reduced ?

SHRI RAM NIWAS MIRDHA : I have some figures with me of the number of searches conducted, the number of cases launched, number of penalties imposed and other action taken on these cases. It is true that there has been some increase in the number of cases detected and also in the penalties imposed. That can be interpreted both ways, that the scale of smuggling or illegal transaction has increased and it can also be said that it is due to greater vigilance on the part of Government that more cases are being detected and more punishments are being awarded. But it is a fact that due to the vigilance exercised by the Director of Enforcement, greater number of cases is now being detected; some very big cases have been detected with wide ramifications and every effort is being made to bring the culprits to book.

As regards the wider question as to why smuggling takes place or why sometimes such rackets regarding foreign exchange come to light, the hon. Member has taken us into a much wider discussion regarding economic and Government policies. There are various causes which give rise to smuggling and other things that are connected with it. One of the important reasons is the widespread malpractice among certain sections of the business people about underinvoicing and overinvoicing of business transactions. That is one single factor that leads to this malpractice.

SHRI D. N. PATODIA : What about the number of persons of Air India involved in it ?

SHRI RAM NIWAS MIRDHA : As I said earlier, certain names have appeared in the diaries and documents. Whether they are employees or not cannot be said just now. Some of them are initials and I cannot have all the names of all the persons that are involved. After all, the case is still going on; it is hardly a week or two that the whole thing was detected. I will request hon. Members to bear with me that some investigation has to be made and any further discussion or divulgence of facts at this stage might hamper the investigation.

SHRI JYOTIRMOY BASU (Diamond Harbour) : This is happening because of

smuggling in gold and other items valued at approximately Rs. 400 crores a year, the cost of pleasure trips and wealth boarding (tax free) and illegal remittances by foreigners working in India, acquiring of foreign companies and foreign collaboration where foreign contribution and participation ratio is wrongly shown and importation of machinery at undershown prices deliberately. This is done by smuggling out of India. Indian currency and silver and also through overinvoicing and underinvoicing which we have discussed at length yesterday. Foreign banks are very much involved in this directly and also through Dubai.

These Air India chaps who have been caught are only small fry; you should try and find out the big goose behind it.

On the Central Bank Rs. 22 million fraud, the hon. Minister had said on the floor of the House that he would only like to assure the House that they take all possible steps to see that proper investigations are carried out with regard to the internal audit which the Central Bank officers conducted and that they also asked the Reserve Bank to go into the audit report though it was an internal audit report and appraise the facts and that when the facts were known he would come to the House to apprise it about this matter. Now an occasion has come today and it should be the duty of Government to tell the House clearly and frankly what their findings are with regard to that case and also the names of the big persons like Bhabha and all that suggested at that time should now be confirmed.

Then, what about the case of National and Grendlays Bank and the Bank of Baroda ? Here again I request the hon. Minister to tell the House the name of the bank in London where the money had been repeatedly deposited in the last two years.

I want you, Mr. Speaker, to help us in getting the reply from the Minister and he should not be allowed to evade this.

SHRI RANGA (Srikakulam) : Why do they hesitate in giving the name of the bank ?

SHRI RAM NIWAS MIRDHA : It is not available with me. If it were available, I will certainly give it. There is nothing to hide about the name of the bank. There is no question of hiding any fact from the House. Investigations are still at a very preliminary stage and all the facts have yet to be collected. Whatever facts were before me I have laid before that house and hon. Members.

SHRI RANGA : We are not going to proceed against that bank; we have no authority here.

We should be able to know through what agencies these people are operating.

SHRI RAM NIWAS MIRDHA : As regards the two cases mentioned about the Central Bank and the Bank of Baroda, I again say, the facts are not available with me. This does not arise out of this. Moreover, the concern is more with the banking operations than with the enforcement of the foreign Exchange regulations with which the Directorate of Enforcement deals.

SHRI JYOTIRMOY BASU : On a point of order, Sir. On 19th May-it is going to be six months now-the hon. Minister had assured on the floor of the House that he will apprise the House with full facts. If six months are not enough for collection of full facts, they will never do it. I also wanted to know, yearwise, in 1967, 1968 and 1969, how many cases were detected and how many were punished.

SHRI RAM NIWAS MIRDHA : The specific question can certainly be answered as to how many cases have been detected and what penalty has been imposed in the last three years. The number of cases registered in 1967-68 was 2307, in 1968-69, 1864 and in 1969-70-1646. As regards the penalty imposed in respect of these three years, the figures are, Rs. 26,39,016, Rs. 30,69,679 and Rs. 44,13,299.

SHRI JYOTIRMOY BASU : A drop in the ocean if you ask me.

श्री शशि भूषण (खरमोन) : साढ़े चार

सौ करोड़ रुपये साल का गोल्ड इस देश में आ रहा है। दो एक दिन की बात है मेरे एक प्रश्न के उत्तर में बताया गया था कि जितना भी तस्करी गोल्ड बाहर से आता है उस पर ब्रिटिश सरकार की सील होती है, बैंस्ट जर्मनी सरकार की सील होती है, डुबाई में वहां जो ब्रिटिश इन्श्योरेंस कम्पनी है, वे उसको इन्श्योर करती है, केरियर को भी इन्श्योर करती है। यह जो केस चार पांच दिन पहले 54 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा का तस्करी का सामन आया है; इसमें कुछ नाम लिए गए हैं और कहा गया है कि कुछ एयर इंडिया के अधिकारी हैं। लेकिन क्या सरकार को यह भी पता है कि इसमें रेवेन्यू इंटेलीजेंस के लोग भी शामिल हैं? क्या सरकार को यह भी पता है कि पिछले दिनों सी० बी० आई० ने रेवेन्यू इंटेलीजेंस के डायरेक्टर के बारे में कहा कि इसका जेनेवा में रुपया जमा है, विदेशों में जमा है। उनका ट्रांसफर भी कर दिया गया...

एक माननीय सदस्य : कोन है।

श्री शशि भूषण : श्रीवास्तव।

24 तारीख को भूतपूर्व वित्त मंत्री का लड़का मेरठ से सोना लेकर आ रहा था। अधिकारियों ने उसको पकड़ा। पकड़ने के बाद रेवेन्यू इंटेलीजेंस के यह डायरेक्टर जो ट्रांसफर हो चुके हैं, इन्होंने कार्यालय में जाकर उसके केस को रफा दफा कराने की कोशिश की....

एक माननीय सदस्य : नाम तो बताएं भूत पूर्व वित्त मंत्री का।

श्री शशि भूषण : मोरारजी देसाई।

मैं कहना चाहता हूं कि जो विदेशी लोग हमारे देश में इस सोने का हमला करते हैं, यह हमला वे जान बूझ कर करते हैं और इस वास्ते करते हैं ताकि हमारे देश की आर्थिक व्यवस्था खराब हो। अभी जितना सोना वे भेजते हैं, उसमें उनको प्राफिट होता है, हमारे

[श्री शशि भूषण]

देश के धूर्त, इजारेदार और बड़े व्यापारी जो उसको खरीदते हैं, उनको प्राफिट होता है अगर वे खरीदना बन्द भी कर दें तो भी जो प्राफिट विदेशी लोगों को होता है उसमें से प्राफिट छोड़कर दो हजार करोड़ रुपये सोने के प्राफिट की सबसिडी देकर गोल्ड हिन्दुस्तान में भेज दें तो हमारे देश की इकोनोमी बँठ सकती है। राष्ट्र के जीवन से यह समस्या संबंधित है। सरकार को इस समस्या को वार फुटिंग पर हल करना होगा। वार फुटिंग पर जिस तरह काम होता है वैसे ही इस मामले में भी काम होना चाहिये। जो लोग इस ढंग का व्यापार करते हैं उनको क्या आप ट्रेटर डिक्लेयर करने के लिए तैयार हैं? अगर ऐसा आप नहीं करेंगे तो हमारे देश की आर्थिक व्यवस्था नहीं चल सकती है। इजारेदार, भारतीय व्यापारी, पुराने राजे महाराजे, विदेशी कम्पनियां देश को बरबाद कर रही हैं। इसमें जो भी अधिकारी इनवाल्ड हों, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिये। मैं पूछना चाहता हूँ कि जो तीन दिन पहिले सोना पकड़ा गया और यह जो श्रीवास्तव जी, जिनका ट्रांसफर हो गया है लेकिन उसके वावजूद भी वह दफ्तर में जाकर अधिकारियों को दबाकर इस केस को दबा रहे हैं, सरकार इसके बारे में क्या कदम उठाने जा रही है?

क्या मन्त्री महोदय यह आश्वासन देंगे कि जिन अधिकारियों के अभी नाम आये हैं, सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेगी?

श्री राम निवास मिर्चा : माननीय सदस्य ने कई बातें कही हैं। उन्होंने कहा है कि रेवेन्यू इन्टेलिजेन्स के अफसर भी इसमें मिले हुए हैं। उन्होंने कुछ नाम भी बताये हैं। मैं इस वक्त यही कहना चाहूँगा कि इस बारे में मेरे पास कोई सूचना नहीं है कि किसने किस को कहाँ पकड़ा; किसकी मोटर जा रही थी, आदि। अगर माननीय सदस्य कोई तथ्य मुहैया

करेंगे, तो इस बारे में जांच की जा सकती है। लेकिन जहाँ तक मेरी जानकारी है, अभी तक ऐसा कोई मामला हमारी जानकारी में नहीं आया है, जिससे हमारे विभाग के अधिकारी सोने के मामले में, या अन्य किसी मामले में, सम्बन्धित पाये गये हों।

श्री शशि भूषण : ट्रांसफर हो गया है, लेकिन उसके बाद भी वह दफ्तर में जा कर बैठ रहा है। अब मन्त्री महोदय श्री मोरारजी देसाई से क्यों डरते हैं? अब उनको शील्ड करने का क्या कारण है?

MR. SPEAKER : Why are you mentioning these names? If you have something against a particular officer, there is a procedure laid down for that.

SHRI BUTA SINGH (Rupar) : Is it a fact that a particular officer attends the office of the last three days?

MR. SPEAKER : Anyway those people are not present in the House.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : हमारे देश में विदेशी मुद्रा की चोरी, सोने का तस्क़र व्यापार और जो दूसरी तरह की चोरियां चल रही हैं, उनके जितने भी केसेज पकड़े जाते हैं, वे दस प्रतिशत भी नहीं होंगे। जो दस प्रतिशत केसिज पकड़े भी जाते हैं, उन्हें भी छोटे कर्मचारियों को दंड दे कर समाप्त कर दिया जाता है। लेकिन उनके पीछे जो बड़े-बड़े पूंजीपति आदि हैं, अभी तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। अभी तक इस प्रकार का कोई रहस्य सामने नहीं आया है कि आखिरकार वे कौन लोग हैं, जिनके कारण इस देश को भरबोरे रुपये की विदेशी मुद्रा का घाटा उठाना पड़ रहा है।

मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि जो छोटे-छोटे कर्मचारी पकड़े गये हैं, क्या उनके माध्यम से किसी बड़े रहस्य का पता लग्न है या नहीं, या फिर पिछले तेईस सालों

की तरह केवल छोटे-छोटे कर्मचारियों को दंड देकर ही मामले को समाप्त कर दिया जायेगा ? यह सही है कि विदेशी मुद्रा की जो चोरियां चल रही हैं, वे ज्यादातर डालर और पाउंड आदि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा की होती हैं। हमारे पड़ोस में दुबई, बेहरीन, हांगकांग और सिंगापुर आदि कौन-कौन से देश या टापू हैं, जहाँ से इस प्रकार का तस्कर व्यापार ज्यादा चल रहा है और उसको रोकने के लिए अब तक सरकार ने क्या विशेष कार्यवाही की है ?

जैसा कि श्री वाजपेयी ने कहा है, एक सरकारी अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से यह वक्तव्य दिया है कि पिछले दो वर्षों से लन्दन के एक बैंक में इस प्रकार की विदेशी मुद्रा जमा होती रही है। इसका मतलब है कि उसको बैंक की जानकारी है। जब एक सरकारी अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से यह वक्तव्य दिया है, तो फिर मन्त्री महोदय को बैंक का नाम सदन को बताने में क्या आपत्ति है ?

यह जो केस पकड़ा गया है, वह एयर इंडिया से सम्बन्धित है। कुछ समय पहले बी० एम० ए० सी० से सम्बन्धित एक स्मगलिंग का केस पकड़ा गया था; हमारे देश में जो अन्तर्राष्ट्रीय वायु सेवाएँ काम कर रही हैं, उनके जरिये से हमारे देश में विदेशी मुद्रा और सोने आदि का तस्कर व्यापार न बड़े, क्या इसके लिए सरकार ने कोई विशेष कदम उठाये हैं या नहीं ?

श्री रामनिवास मिर्धा : मैं पुनः यह दोहराना चाहूँगा कि बैंक का नाम बताने का प्रश्न ही नहीं उठता है। किस पृष्ठभूमि में अधिकारी ने क्या कहा, उसके बारे में मैं अभी नहीं कह सकता हूँ। लेकिन जो तथ्य अभी मिले हैं, उन से पता लगाया जा सकता है कि शायद यह पैसा कहीं जा कर जमा हो रहा होगा। अभी न तो बैंक से जानकारी ली गई है, न दस्तावेजों की जानकारी है और न बैंक में जमा रुपये के बारे में जानकारी हमारे पास आई है।

इसलिए यह कहना कि बैंक का नाम आदि जानकारी मेरे पास है और मैं बताना नहीं चाहता हूँ, न्यायसंगत नहीं होगा। माननीय सदस्य ने कहा है कि केवल छोटे-छोटे अधिकारी ही पकड़े जाते हैं और दूसरे बड़े-बड़े लोग बच जाते हैं। यह सही नहीं है। कई ऐसे केसेज चलाये गये हैं, जिनसे बड़े-बड़े आदमी सम्बन्धित हैं और जिनके बारे में जानकारी इस सदन के समक्ष आ चुकी है। जो कम्पनी के मालिक हैं, उन पर भी केस चला है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : उनके नाम बता दीजिये।

श्री रामनिवास मिर्धा : ऐसे दो, चार, पांच केसेज मैं नामों सहित सदन को देना चाहता हूँ। एक तो आर० एस० कम्बेटा का डरोस बिल्डिंग के सम्बन्ध में केस है। उसकी काफी विस्तृत जानकारी हुई है और कई लोग उस से सम्बन्धित हैं। दूसरा मेसर्स डाइसेल (प्राइवेट) लिमिटेड, बम्बई का केस है, जो कुबैत में काम करते हैं। उसके बारे में जांच की जा रही है। अन्य केस हिन्दुस्तान मोटर्स, हरिदास मूंडड़ा और सर हीरजी काउसजी जहांगीर के हैं। ये मामले बड़े पेचीदा होते हैं और उन के बारे में हर तरह से जांच करने की कोशिश की जाती है। जिन मामलों की अभी जांच हो रही है, उनका पूरा पीछा किया जा रहा है। जो भी व्यक्ति इससे सम्बन्धित होंगे, चाहे वे किसी भी स्थिति में हों, वे बच नहीं सकेंगे और उनको कोई अनुचित लाभ नहीं मिल सकेगा।

RE. DOUBLE VOTING ON THE CONSTITUTION (TWENTY-FOURTH AMENDMENT) BILL, 1970

DR. RAM SUBHAG SINGH (Buxar) : Mr. Speaker, Sir, on the 4th September, you said that you would hold an enquiry into the wrong voting. We said that there were cases of double voting also. We find that nothing tangible has been done so far.